एक नजर में

सुभाष उमावि में एचआयवी कार्यशाला

इंदौर. पवित्र आत्मा सेविका संघ द्वारा विश्वास और विहान2.0 परियोजनाओं के माध्यम से पीएलएचआईवी व्यक्तियों के लिए कार्य किया जा रहा है. इसके अलावा, इंदौर ज़िले और आसपास के क्षेत्रों के विद्यालयों में भी एचआईवी/ एड्स से संबंधित जागरूकता सत्र प्रदान किए जा रहे हैं. शा. सुभाष उ. मा. विद्यालय में विश्वास व विहान टीम से अशोक दांगी, अर्जुन उइके, नीतू हरव्यसी, कल्पना अहीरे, राधा बैरवाल, अनिल कुशवाहा द्वारा रंगोली से रेड रिबन बनाया गया और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बच्चों को एचआईवी के प्रति जागरूक किया गया. विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य शरद धारवाल ने कार्यक्रम की सराहना की तथा विश्वास व विहान टीम का स्वागत किया. अन्त में संस्था के वरिष्ठ व्यायाम निर्देशक अनिल गौड़ ने आभार माना. इस अवसर पर विद्यालय से रजनी जैन, नीतू पंवार, किरण गुप्ता, खुशबू रघुवंशी, कनकलता वर्मा, अवनि शर्मा, रचियता मालवीय नन्हेसिंह शावयवार, आदि उपस्थित रहे.

रक्षा संपदा विभाग ने साईनाथ गार्डन किया सील

महू. सोमवार को गोमांस मिलने के बाद मंगलवार को रक्षा संपदा विभाग ने कार्रवाई करते हुए साईनाथ गार्डन को सील कर दिया है. सोमवार को बजरंग दल ने सिमरोल रेलवे ओवरब्रिज के नीचे स्थित गार्डन नंबर 62 से गोमांस जब्त किया था. गोमांस मिलने के बाद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने ब्रिज के ऊपर गोमांस रखकर दो घंटे तक चक्काजाम किया था. इसके बाद पुलिस और प्रशासन हरकत में आया. रक्षा संपदा विभाग के अधिकारी प्रेम आनंद ने बताया कि महू छावनी स्थित भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय की रक्षा भूमि सर्वे क्रमांक 625, गार्डन नंबर 62 (साईनाथ गार्डन) में गोमांस पकाए जाने की शिकायत मिली थी. उन्होंने पाया कि यह मैरिज गार्डन बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के अवैध रूप से संचालित हो रहा था. इसे मंगलवार को रक्षा संपदा विभाग ने सील कर दिया है और मामले की जांच की जा रही है. कार्रवाई के दौरान कोतवाली थाने की पुलिस भी मौके पर मौजूद रही.

श्री अग्रसेन विद्यालय का 35वां वार्षिकोत्सव 30 को

इंदौर. स्नेह नगर स्थित श्री अग्रसेन विद्यालय में 35वां वार्षिकोत्सव रविवार 30 नवंबर को सुबह 10.30 बजे से विद्यालय भवन परिसर में मनाया जाएगा. विद्यालय की प्रबंध समिति के अध्यक्ष रसनिधि कुमार गुप्ता, सचिव विजयनारायण मित्तल, मंत्री महेश कुमार सांघी एवं प्राचार्य श्रीमती मीनल सोले ने बताया कि इस अवसर पर मैसूर के प्रख्यात अगरबत्ती उद्योग समूह के संस्थापक श्रीमन प्रकाश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर विद्यालय के बच्चों का उत्साहवर्धन करेंगे. इस मौके पर विद्यालय के बच्चों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी एवं अन्य गतिविधियों का प्रदर्शन भी किया जाएगा.

शीतलनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर पर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 3 से

इंदौर. द्वारकापुरी स्थित शीतलनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर पर 3 से 6 दिसम्बर तक चार दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शंखेश्वर पार्श्वनाथ, नाकोड़ा भैरव देव, भौमियाजी एवं मालवा विभूषण आचार्य वीररत्न सूरीश्वर की दिव्य प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं. प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही इस बार द्वारकापुरी श्रीसंघ एवं मंदिर ट्रस्ट को नूतन मुनिराज कलश पुण्यविजय की बड़ी दीक्षा का भी सौभाग्य मिल रहा है. मंदिर ट्रस्ट की ओर से अध्यक्ष संजय नाहर, उपाध्यक्ष सुशील कुकड़ा एवं सचिव चेतन भंडारी ने बताया कि प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए जाजम के चढ़ावे की विधि पूर्व में ही संपन्न हो चुकी है. अब बुधवार 3 दिसम्बर को सुबह 7.30 बजे से साधु-साध्वी-भगवंतों का बालाजी गार्डन फूटी-कोठी से मंदिर प्रांगण तक भव्य मंगल प्रवेश होगा. सुबह 8.15 से 9 बजे तक नवकारसी के बाद आचार्य विजय पदमभूषण रत्न सूरीश्वर के संयम जीवन में प्रवेश का 48 वां उत्सव प्रात: 9.15 बजे से मनाया जाएगा. 3 दिसम्बर को ही शाम 7 बजे वीरमणि आराधना हाल द्वारकापुरी पर भक्ति संगीत का आयोजन भी होगा.

मां शाकम्भरी जयंती महोत्सव 3 जनवरी को

इंदौर. साग-सब्जी, फल-फूल उपलब्ध कराने वाली मां शाकम्भरी देवी सकराय माताजी का 26 वां महोत्सव इस बार 3 जनवरी को बायपास स्थित सम्पत पैलेस गार्डन पर मनाया जाएगा. महोत्सव का यह 26 वां वर्ष होगा. महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं. इस दौरान प्रसिद्ध परंपरागत तांडव आरती भी होगी. महोत्सव में सुबह से रात तक विभिन्न आयोजन होंगे. मालवांचल के विभिन्न शहरों से अनेक श्रद्धालु भी इस महोत्सव में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे. कोलकाता से चुनिन्दा फूलों का गजरा बुलवाया जाएगा और माता रानी के दरबार का भव्य श्रृंगार कर पंडाल भी सजाया जाएगा. शाम को 101 कन्याओं के पूजन एवं उनके पूर्व दोपहर 2 बजे से मां शाकम्भरी का मंगल पाठ भी होगा. आयोजन समिति की ओर से कार्यक्रम संयोजक प्रभारी गोपाल अग्रवाल, रामप्रसाद सौंथलिया एवं जयेश अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ आचार्य पं. प्रद्युम्न दीक्षित एवं उनके निर्देशन में सुबह 9 बजे स्थापना एवं मंडल पूजन के साथ होगा. दोपहर 2 बजे से मां शाकम्भरी का मंगल पाठ प्रारंभ होगा जिसका आयोजन सरोज एरन, विमलादेवी धानुका, पुष्पादेवी खंडेलवाल, मुकेश अग्रवाल एवं शिमला देवी अग्रवाल की सहभागिता में प्रख्यात मंगलपाठ गायिका श्रीमती ममता गर्ग द्वारा किया जाएगा. सायं 6.45 बजे परंपरागत तांडव आरती पं. विश्वजीत महाराज के सान्निध्य में एवं माँ नर्मदा की आरती उज्जैन के पं. नंदू गुरु की टीम द्वारा की जाएगी, 56 भोग एवं आलोकित भोग का अर्पण मुन्नालाल बंसल एवं जयेश अग्रवाल द्वारा किया जाएगा. भोजन प्रसादी के संयोजक किशनलाल एरन, हरिनारायण छोगालाल बंसल, मनीष कल्याणमल खजांची, चंदू गोयल, रमेश एरन एवं प्रभात अग्रवाल मनोनीत किए गए हैं.

निमाड़ी बोली को राजकीय भाषा बनाने का संघर्ष जारी : जगदीश जोशीला

अभ्यास मंडल की 65वीं वार्षिक व्याख्यानमाला

लोकभाषा संरक्षण की अनूठी पहल विषय पर व्याख्यान

इंदौर. पद्मश्री जगदीश जोशीला ने कहा कि निमाड़ी बोली को राजकीय भाषा के रूप में स्थापित करने का संघर्ष अभी जारी है. इस कार्य के लिए हमने निमाड़ी बोली का शब्दकोश तैयार किया है. इसके साथ ही साहित्य भी तैयार किया, लेकिन अभी तक इसे राजकीय भाषा का दर्जा नहीं दिलवा पाए हैं.

पद्मश्री जोशीला अभ्यास मंडल की 65वीं वार्षिक व्याख्यानमाला में लोकभाषा संरक्षण की अनूठी पहल विषय पर अपना संबोधन दे रहे थे. कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथि का स्वागत शरद सोमपुरकर, मुकेश तिवारी और मनीषा गौर ने किया. संचालन कुणाल भंवर ने किया. अभ्यास मंडल का परिचय हरेराम वाजपेयी ने दिया. आभार प्रदर्शन स्टेट प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल ने किया. अतिथि को स्मृति चिह्न शंकरलाल गर्ग और अनिल कर्मा ने भेंट किया.

जगदीश जोशीला ने निमाड़ी बोली को भाषा बनाने के लिए अब तक किस तरह से क्या संघर्ष किया गया, उसका पूरा वृत्तांत विस्तार के साथ सुनाया. उन्होंने कहा कि वर्ष 1319 से लेकर 1644 तक का समय भक्तिकाल का समय था. इस 325 वर्ष के समय में जनपदीय व्यवस्था थी. इस व्यवस्था में भक्त कवि हुए. हर कवि ने अपनी बोली में लेखन के कार्य को अंजाम दिया. तुलसीदासजी ने रामायण लिखी तो सूरदास जी ने ब्रज की भाषा में लिखा. मीराबाई ने राजस्थानी में लिखा, नरसी मेहता ने गुजराती में लिखा, तुकाराम ने मराठी में लिखा तो गुरु नानक ने पंजाबी में लिखा. सभी ने अपनी-अपनी बोली में लिखकर उस बोली को ज्यादा आकार दिया. निमाड़ के संत सिगाजी ने अद्वैत पर निर्गुण धारा का सृजन किया. इसे 508 साल हो गए हैं. देश की आजादी के बाद भक्त कवि के द्वारा लिखे गए साहित्य के आधार पर बोलियों को राजभाषा का दर्जा दिया गया. इसमें निमाड़ी भाषा के साथ सौतेला व्यवहार हुआ.

निमाड़ी बोली का 30 हजार शब्दों का शब्दकोष तैयार

उन्होंने कहा कि 19 सितंबर, 1953 को हमने निमाड़ लोक साहित्य परिषद का गठन किया. इस परिषद में माखनलाल चतुर्वेदी, पद्मश्री रामनारायण उपाध्याय, विश्वनाथ, जड़ावचंद्र जैन जैसे लोग जुड़े. हमने 20 साल तक संघर्ष किया, लेकिन सफलता नहीं मिली. इस घटनाक्रम से यह संस्था सिमट गई. हमारी निमाड़ी बोली उपेक्षा का शिकार रही. उज्जैन के टेपा सम्मेलन की तर्ज पर हमने निमाड़ में ढापा सम्मेलन शुरू किया. इसके बाद निमाड़ी भाषा का शब्दकोश और व्याकरण तैयार करने के लिए एक कमेटी बनाई, जिसने 30 हजार शब्द चयनित किए. इसके बाद हमने भारत सरकार को यह पूरा शब्दकोश प्रकाशित कर भेंट किया और चाहा कि सरकार द्वारा निमाड़ी बोली को राजकीय भाषा का दर्जा दिया जाए, तो फिर वहां से जवाब आया कि यह काम राज्य सरकार को करना है.

जवाब का इंतजार कर रहे

जोशीला ने कहा कि फिर हमने राज्य सरकार को भी सारे दस्तावेज सौंप दिए. पिछले 25 साल से जवाब का इंतजार कर रहे हैं. मध्यप्रदेश में हर बोली के क्षेत्र में विश्वविद्यालय स्थापित हो गए. निमाड़ क्षेत्र में अभी तक कोई विवि नहीं था. अब पहला विश्वविद्यालय आया है तो वह भी टंटिया भील के नाम पर आया है. बोलने वालों की कमी से भाषा लुप्त हो जाती है. निमाड़ी बोली के साथ ऐसा न हो, इसके लिए हमारे द्वारा जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है. निमाड़ क्षेत्र से आदि शंकराचार्य, संत सिंगाजी, लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर, टंटिया भील, राणा बख्तावर सिंह पर फोकस कर साहित्य तैयार किया गया है.

पश्चिम रेलवे ने 4 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे बढ़ाए

नव भारत न्यूज

इंदौर. यात्रियों की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए पश्चिम रेलवे ने विशेष किराए वाली चार जोड़ी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनों के फेरे एक बार फिर बढ़ा दिए हैं. यह विस्तार शीतकालीन अवधि में यात्रा सुविधा को सुगम बनाए रखने के उद्देश्य से किया है.

जनसंपर्क अधिकारी-रतलाम मंडल खेमराज मीना ने बताया कि पश्चिम रेलवे ने सर्दियों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त मांग को ध्यान में रखते हुए चार जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का संचालन अवधि बढ़ा दी है, जो इस प्रकार से है. बांद्रा टर्मिनस-अजमेर साप्ताहिक स्पेशल, ट्रेन नंबर 09622 बांद्रा टर्मिनस-अजमेर 29 दिसंबर 2025 तक चलेगी. ट्रेन नंबर 09621 अजमेर-बांद्रा टर्मिनस 28 दिसंबर 2025 तक बढ़ाई गई. वहीं, अजमेर-दौंड साप्ताहिक स्पेशल, ट्रेन नंबर 09625 अजमेर-दौंड 25 दिसंबर 2025 तक चलेगी. ट्रेन नंबर 09626 दौंड-अजमेर 26 दिसंबर 2025 तक विस्तारित की गई. इसी प्रकार अजमेर-सोलापुर साप्ताहिक स्पेशल, ट्रेन नं. 09627 अजमेर-सोलापुर 31 दिसंबर 2025 तक चलेगी. ट्रेन 09628 सोलापुर-अजमेर 1 जनवरी 2025 तक बढ़ाई गई है. बीकानेर-साई नगर शिरडी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 04715 बीकानेर-साई नगर शिरडी 27 दिसंबर 2025 तक चलेगी. ट्रेन नंबर 04716 साई नगर शिरडी-बीकानेर 28 दिसंबर 2025 तक विस्तारित है. रेलवे ने यात्रियों को सलाह दी है कि ट्रेन के आगमन, प्रस्थान, ठहराव और कोच संरचना संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए समय सारणी व आधिकारिक माध्यमों से अपडेट लेते रहें.

कैफे चलाने वाली छात्रा ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी

इंदौर. हीरानगर थानांतर्गत रहने वाली तथा कैफे का संचालन करने वाली 19 वर्षीय छात्रा ने सोमवार शाम फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. वह अपने कैफे पर नहीं पहुंची तो दोस्तों ने उसे मोबाइल पर कॉल किया, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया तो वे उसके कमरे पर पहुंचे. वहां स्थिति संदिग्ध दिखने पर पुलिस को सूचना दी गई. पुलिस के मुताबिक, छात्रा का कुछ समय पहले एक ऑपरेशन हुआ था और संभवत: इसी बात को लेकर वह तनाव में थी.

हीरानगर थाना प्रभारी सुशील पटेल ने बताया कि थाना क्षेत्र में रहने वाली 19 वर्षीय प्रियांशी पुत्री धर्मेंद्र राव ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. वह अपने कैफे पर नहीं पहुंची तो दोस्तों ने उसे कॉल किया, लेकिन फोन नहीं उठाने पर वे उसके कमरे पर पहुंचे. कमरे की स्थिति संदिग्ध दिखने पर तुरंत पुलिस को सूचना दी गई. पटेल ने यह भी बताया कि छात्रा का कुछ समय पहले ऑपरेशन हुआ था और संभवत: इसी को लेकर वह तनाव में थी. संभवत: डिप्रेशन के चलते उसने यह कदम उठाया है. प्रियांशी इंदौर में काम के साथ-साथ पीएस डिप्लोमा भी कर रही थी.

पुलिस ने उसका मोबाइल जब्त कर लिया है. प्रियांशी के कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है. प्रियांशी मूल रूप से देवास जिले के बरोठा गांव की रहने वाली थी. वह अपने घर के पास ही दो साथियों नवीन और एक अन्य दोस्त के साथ कैफे संचालित करती थी. पुलिस के अनुसार, कुछ दिन पहले हुए चेस्ट ऑपरेशन के बाद से उसके व्यवहार में बदलाव देखा जा रहा था. परिवार में दो बहनें हैं. एक बहन माता-पिता के साथ और दूसरी भोपाल में पढ़ाई कर रही है. प्रियांशी का दोस्त नवीन फिलहाल होशंगाबाद में है और उसके लौटने पर पुलिस उससे भी पूछताछ करेगी.

पुताई कर रहे मजदूर कीऊंचाई से गिरने पर मौत

मल्हारगंज थाना प्रभारी वेदेन्द्र सिंह कुशवाह ने बताया कि क्षेत्र में पुताई के दौरान ऊंचाई से गिरने पर 22 वर्षीय अनिल पुत्र बलराम जाटव की मौत हो गई. बताया गया कि अनिल बड़ा गणपति इलाके में काम कर रहा था, तभी वह नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया. ठेकेदार संजू ने उसे एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां रात में उसकी मौत हो गई. परिजनों ने पुलिस को बताया कि अनिल अपनी मां का इकलौता बेटा था. परिवार अशोक नगर का रहने वाला है और पांच साल पहले रोजगार की तलाश में इंदौर आया था. पुलिस लापरवाही की आशंका को लेकर ठेकेदार से पूछताछ कर रही है.

स्वयं पर नियंत्रण पाना सीख लें तो शांति मिलना संभव : विश्वरत्न सागर

चातुर्मास की सम्पन्नता के पश्चात इंदौर से ली बिदा

इंदौर. आज समूचा विश्व कई तरह की समस्याओं और चुनौतियों से जूझ रहा है तब मनुष्य का मानसिक भटकाव रोकना हमारी प्राथमिकता होना चाहिए. हमारा जिनशासन इतना व्यापक, उदार, समृद्ध और सक्षम है कि हम मंत्रों और ग्रंथों के माध्यम से भी शांति, संयम और साधना के मार्ग पर समाज को अग्रसर बना सकते हैं. मनुष्य जीवन में हर क्षण अनेक तरह के बदलाव आते रहते हैं, यहाँ कुछ भी स्थायी नहीं है. सबकुछ बदलने वाले इस युग में यदि हम अपने गुरुदेव द्वारा बताए गए मार्ग पर चलकर स्वयं पर नियंत्रण पाना सीख लें तो जीवन में बहुत कुछ शांति और स्थिरता मिलना संभव है. हमारे धर्म ग्रंथों में इतनी शक्ति है कि हम दुनियाभर में एक संयमित और स्थिर तथा साधना से परिपूर्ण मानव समाज की स्थापना कर सकते हैं.

ये प्रेरक विचार हैं युवा हृदय सम्राट जैनाचार्य विश्वरत्न सागर के जो उन्होंने सोमवार को नेमावर रोड स्थित ग्राम दूधिया मं नाहर जैन उपाश्रय में आयोजित धर्मसभा में आशीर्वचन और अपने वर्ष 2025 के इंदौर चातुर्मास से बिदाई की बेला में व्यक्त किए, आचार्यश्री की अगवानी में उपाश्रय परिसर में आकर्षक रंगोली एवं पुष्प-सज्जा की गई थी. प्रारंभ में चातुर्मास आयोजन समिति की ओर से समाजसेवी कैलाश नाहर, सुमित नाहर, पुण्यपाल सुराना, राजकुमार नाहर, निशा-नेहा नाहर, राहुल जैन, शुचिता एवं लीशा ने आचार्यश्री एवं उनके साथ आए गणिवर्य उदयरत्न सागर म.सा. की ससंघ अगवानी की. आचार्यश्री इंदौर से विहार कर दूधिया स्थित नाहर उपाश्रय पहुंचे और वहां की गतिविधियों का अवलोकन कर वहां चल रहे प्रकल्पों की खुले मन से प्रशंसा की. आचार्यश्री एकम अन्य संत तत्पश्चात हाटपीपल्या के लिए विहार कर गए. बड़ी संख्या में समाजबंधु उनके साथ चल रहे हैं.

इंदौर के रग-रग में पुण्य का प्रवाह

अपने आशीर्वचन में आचार्यश्री ने इंदौर में नरसिंह वाटिका, दलाल बाग और अन्य स्थानों पर आयोजित चातुर्मासिक अनुष्ठानों के दौरान मिले स्नेह और सम्मान से अभिभूत होकर कहा कि इंदौर ऐसी नगरी है जहाँ धर्म और संस्कृति का प्रवाह बारह मास, चौबीसों घंटे बना रहता है. इंदौर माँ अहिल्या की नगरी तो है ही, महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर के बीच होने से इस नगरी के रग-रग में पुण्य का प्रवाह निर्झरित बना रहता है. यहाँ के समाजबंधुओं, जन प्रतिनिधियों और आम लोगों से जिनशासन को जो स्नेह, प्रेम और सम्मान मिला है, वह हमारे लिए सबसे बड़ी पूँजी है. संचालन राजकुमार नाहर ने किय. आभार माना कैलाश नाहर ने.

किशनगंज पंचायत में विकास कार्यों की सौगात शुरू

चंदन गुरू बगीचे में 6 लाख की लागत से सीसी रोड बनाया

महू. महू तहसील की सबसे बड़ी पंचायत किशनगंज में इन दिनों कई विकास कार्य प्रगति पर हैं. पंचायत क्षेत्र में एक तरफ जहां सड़कों का निर्माण कार्य जारी हैं. कई सालों से ऊबड़ खाबड़ पड़ी सड़क अब 6 लाख की लागत से सीसी रोड बन जाने के बाद देखने लायक है. किशनगंज ग्राम पंचायत सरपंच अंजू मनोज कौशल ने बताया कि चंदन गुरू बगीचा क्षेत्र में सालों से लोग सड़क को लेकर त्रस्त थे. इस कीचड़युक्त सड़क पर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही थीं। जिसको लेकर हर कोई परेशान हो रहा था. ग्राम पंचायत में शिकायत आने के बाद तत्काल इस समस्या का निवारण कर दिया गया है.

6 लाख रुपए की लागत से बनी सड़क

सरपंच प्रतिनिधि मनोज कौशल ने बताया कि सालों से जर्जर सड़क का निर्माण इस बार पंचायत ने किया है. यह निर्माण कार्य पंचायत निधि से 6 लाख की राशि से किया गया है. इस सड़क निर्माण का कार्य 660 फीट में किया गया है, जो कि स्थानीय लोगों के लिए सुविधाजनक है. इस निर्माण कार्य का श्रेय सरपंच अंजू मनोज कौशल, देव कौशल, राजा कौशल, जुगल किशोर, मुन्ना काका, संदीप, धीरेंद्र को जाता है.

ससुर ने विधवा बहू को बेटी के रूप में बिदा कर किया कन्यादान

दो परिवारों और उनके बच्चों को विद्याधाम मंदिर में मिल गया एक नया खुशहाल परिवार

इंदौर. विद्याधाम पर एक आदर्श विवाह का आयोजन किया गया। इस अनूठे और अनुकरणीय प्रसंग के सूत्रधार थे दुल्हन रचना के ससुर शिवलाल राठौर जिन्होंने अपनी बहू को बेटी के रूप में बिदा कर कन्यादान भी किया. इस मौके पर दुल्हे नरेन्द्र के 7 वर्षीय बेटे प्रिंस और 14 वर्षीय बालिका क्रिंची भी अपने पिता के विवाह के साक्षी बने.

विद्याधाम स्थित माँ त्रिपुर सुन्दरी की साक्षी में आचार्य पं. राजेश शर्मा ने दुल्हे नरेन्द्र एवं दुल्हन रचना ने एकदूजे को वरमाला पहनाकर एवं सुहाग के प्रतीक सिंदूर की रस्म अदा कर इस नए रिश्ते को स्वीकार किया. दुल्हा-दुल्हन दोनों पद्मवंशी मारवाड़ी समाज के हैं और दुल्हन रचना के पति का वर्ष 2023 में ब्रेन हेमरेज से निधन हो जाने से वे पिछले दो वर्षों से एकांकी जीवन जी रही थीं जबकि दुल्हे नरेन्द्र की पत्नी का भी कैंसर के कारण निधन हो जाने से वे भी अपनी दो संतानों के साथ रह रहे हैं. दुल्हन रचना की एक बेटी भी है जिसका विवाह हो चुका है. दुल्हन के ससुर शिवलाल राठौर ने अपनी बहू को सोमवार की शाम को जब दोनों पक्षों के मेहमानों और समाज के लोगों के बीच दुल्हे नरेन्द्र को अपनी बेटी के रूप में रुंधे गले से कन्यादान किया तो उनका भाव यही था कि मैं रचना को बहू बनाकर लाया था और आज बेटी बनाकर बिदा कर रहा हूँ. मुझे इस निमित्त कन्यादान का भी सौभाग्य मिल रहा है।

समाजजनों ने किया स्वागत

इस मौके पर पद्मवंशी राठौर समाज के पूर्व अध्यक्ष राजकुमार राठौर, विद्याधाम के ट्रस्टी और राठौर समाज के समाजसेवी रमेश राठौर, राजेश राठौर, विश्व हिंदू परिषद के गौरक्षा विभाग के योगेश होलानी, संतोष बलसोरा सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित थे, जिन्होंने इस आदर्श विवाह के लिए रचना के ससुर और नरेन्द्र के बड़े भाई का स्वागत भी किया. समाज के लोगों ने इस विवाह को अन्य समाजों के लिए भी मिसाल बताते हुए नवयुगलों को उपहारों सहित बिदा किया।

एक नजर में | **ई-कॉमर्स डिलीवरी कंपनियों को पुलिस कमिश्नर की चेतावनी**

नियम तोड़ेंगे तो होगी सख्त कार्रवाई

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में बढ़ती ऑनलाइन डिलीवरी सेवाओं के बीच सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए पुलिस कमिश्नर ने शहर की प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए. बैठक में डिलीवरी एजेंटों के वेरिफिकेशन से लेकर पार्किंग और ट्रैफिक नियमों के पालन तक कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जोर दिया.

इंदौर पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने शहर में संचालित ई-कॉमर्स डिलीवरी प्लेटफॉर्म कंपनियों के प्रतिनिधियों और प्रबंधकों के साथ मंगलवार को बैठक की. ऑनलाइन सेवाओं के तेजी से बढ़ते नेटवर्क के बीच सुरक्षा और यातायात पर पड़ने वाले प्रभावों की समीक्षा बैठक का मुख्य उद्देश्य रहा. बैठक में पुलिस उपायुक्त जोन-02 कुमार प्रतीक, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेन्द्र सिंह, एडीसीपी क्राइम राजेश दंडोतिया के साथ जोमैटो, स्विगी, ब्लिंकइट, जेप्टो, रैपिडो, फ्लिपकार्ट और कई अन्य लॉजिस्टिक्स कंपनियों के स्थानीय अधिकारी मौजूद रहे. इस दौरान कमिश्नर ने कहा कि ई-कॉमर्स सेवाएं आधुनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी हैं, लेकिन इनकी गतिशीलता जनता की सुरक्षा या यातायात व्यवस्था को प्रभावित नहीं करनी चाहिए. उन्होंने जोर देकर कहा कि उद्देश्य इन सेवाओं को रोकना नहीं, बल्कि इन्हें व्यवस्थित रूप से शहर के यातायात ढांचे में समाहित करना है. बैठक में मौजूद सभी ई-कॉमर्स कंपनियों ने पुलिस प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और निर्देशों के पालन की प्रतिबद्धता जताई.

बैठक में पुलिस कमिश्नर ने यह दिए निर्देश...

ट्रैफिक नियमों का पालन अनिवार्य :
सभी डिलीवरी एजेंटों को गति सीमा, हेलमेट और अन्य यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश.

डिलीवरी बॉय का पूर्ण सत्यापन :
कंपनियां सुनिश्चित करें कि हर एजेंट के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण और बीमा मौजूद हो.

व्यवस्थित पार्किंग :
डिलीवरी हब और प्रमुख पॉइंट्स पर वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग न हो, इसके लिए कंपनियां स्वयं व्यवस्था करें.

सुरक्षा प्रशिक्षण :
डिलीवरी कर्मियों के लिए नियमित सुरक्षा व ट्रैफिक जागरूकता प्रशिक्षण अनिवार्य किए जाएं.

डेटा साझा करने में सहयोग :
सुरक्षा संबंधी मामलों में पुलिस को आवश्यक जानकारी तत्काल उपलब्ध कराएं.